जन-कल्याण में राज्यों की सीमाएं बाधक नहीं, PM के संकल्प को पूरा करने में कसर नहीं छोड़ेंगे :सीएम

भोपाल, यशभारत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम नागरिकों के कल्याण में राज्यों की सीमाएं बाधा नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी यही संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। अंतरराज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना भारत की प्रथम नदी जोड़ो परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवींद्र सभागार में मध्य प्रदेश के 69 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान के मध्य 20 वर्ष से पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना की स्वीकृति के लंबित मामलों में अब स्वीकृति हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा दी गई इन मंजूरियों से प्रदेश के बड़े अंचल में विकास की गति तीव्र हो जाएगी। केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड में सिंचाई और पानी की सुविधा व्यापक स्तर पर नागरिकों और किसानों को मिलेगी। यह परियोजना एक इतिहास रचने का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापना वर्ष 1956 से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय हुई है। इस वर्ष राज्योत्सव और दीपोत्सव एक साथ आए हैं। प्रदेश में चार दिन का स्थापना दिवस समारोह और पांच दिन का दीपोत्सव हो रहा है। मध्य प्रदेश इस मामले में सौभाग्यशाली है कि यहां मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में

सर्वाधिक समय व्यतीत किया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी मध्य प्रदेश की धरती पर उज्जैन आकर शिक्षा ग्रहण की। मध्य प्रदेश सरकार विकास के मामले में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2005 तक 5 मेडिकल कॉलेज ही थे, जिनकी संख्या वर्तमान में 20 हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में प्रदेश में तीन नए मेडिकल कॉलेज लोकार्पित किए हैं। आने वाले दो वर्ष में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 28 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल पर भी कार्य हो रहा है, जिससे प्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज होंगे। आने वाले समय में प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज होगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित नागरिकों को मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस और दीपोत्सव की बधाई दी और पार्श्व गायक अंकित तिवारी, मुंबई के निर्देशन में हो रहे गीत संगीत कार्यक्रम का आनंद लेने का आह्वान किया। गायिका सुश्री सुहासिनी जोशी ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश पर केंद्रित फिल्म का रिमोट से बटन दबाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने गायक अंकित तिवारी का शॉल और श्रीफल द्वारा सम्मान किया।

10 से ज्यादा गोवंश पालने वालों को मिलेगा अनुदान, सीएम मोहन बोले- पशुधन के प्रति कर्तव्यों की याद दिलाता है गोवर्धन पूजा पर्व

प्रदेश की मोहन सरकार गोवर्धन पूजा का पर्व पूरे उल्लास के साथ मनाया ै। इस पर्व के मौके पर शनिवार को राजधानी के रवींद्र भवन में राज्यस्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के मंच से अपने संबोधन में कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का प्रतीक है। हमारे किसानों की दीपावली तो गोवर्धन पूजा से ही प्रारंभ होती है। फसलों का उत्पादन करने के लिए तो किसानों को क्रेडिट कार्ड मिलता ही है, लेकिन अब गोवंश पालने वालों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा, ताकि वह गोवंश के पालन के लिए धन का इंतजाम कर सकें। उन्होंने कहा कि 10 से ज्यादा गोवंश पालने वालों को विशेष अनुदान दिया जाएगा। हमने फैसला किया है कि नगर निगम क्षेत्र में 5 हजार से 10000 गोवंश के पालन के लिए जो भी खर्च आएगा, उसका प्रबंधन राज्य सरकार करेगी।सरकार ने यह भी तय किया है कि आने वाले समय में गोवंश का पालन करने और दुग्ध उत्पादन करने वालों को बोनस भी दिया जाएगा। इसके लिए सरकार ने गुजरात के अमूल संस्थान की गतिविधियों का परीक्षण कराया है और इसके साथ ही नेशनल डेयरी बोर्ड के साथ प्रदेश के सभी गांव में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है।गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को गोबर से निर्मित च्राम दरबारज्ञ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, लखन पटेल, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्वामी अच्युतानंद और गोसंरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले स्वामी हरिओमानंद भी विशेष रूप से उपस्थित थे।इस दौरान मुख्यमंत्री ने गोसेवा करने वाले 10 श्रेष्ठ गोपालकों का सम्मान भी किया।

भोपाल में डेंगू से युवक की मौत,शहर में दहशत का माहौल स्वास्थ्य विभाग छुपाने में लगा,लापरवाही का आरोप

भोपाल , यशभारत। राजधानी भोपाल में मानसून की विदाई के बाद मच्छर जनित बीमारियों में पैर पसारना शुरू कर दिया है। राजधानी के एक निजी अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई है। मरीज की रैपिड टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मरीज की प्लेटलेट्स काउंट 8000 तक पहुंच गई थी। परिवार वालों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। इधर स्वास्थ्य विभाग मामले को छुपाने में लग गया है। रैपिड टेस्ट को मानने को तैयार नहीं है, जबकि निजी अस्पताल का दावा है कि मरीज को डेंगू ही था।

यह है पूरा मामला

शहर के एक निजी अस्पताल में बुधवार को 28 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन इसे डेंगू से मौत बता रहा है, हालांकि स्वास्थ्य विभाग एलाइजा रिपोर्ट के आधार पर डेंगू से हुई मौत नहीं मान रहा है। निजी अस्पताल के दावे को मानें तो यह डेंगू से शहर की पहली मौत है। मृतक आशीष बोरकर के मामा शरद के अनुसार आशीष 28 अक्टूबर को खुद चलकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा था। उसे बुखार आ रहा था। यहां जांच में प्लेटलेट्स काउंट बेहद कम आने पर उन्हें भर्ती कर लिया गया। इलाज के दौरान ही मरीज की प्लेटलेट्स 8 हजार तक पहुंच गई। परिवार वालों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन से कई बार विशेषज्ञों को बुलाकर इलाज कराने की गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

किडनी व लिवर फेलियर से हुई मौत

रात करीब तीन बजे अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद पहले वार्ड में ही स्टाफ ने सीपीआर दिया। इसके बाद आईसीयू में ले गए। कई बार पूछे जाने पर भी क्या इलाज चल रहा है, यह नहीं बताया गया। 30 अक्टूबर को सुबह नौ बजे सूचना मिली कि आशीष की डेंगू के चलते हुए मल्टी आर्गन

(किडनी व लिवर) फेलियर से मौत हो गई।

अस्पताल में 25 मरीज भर्ती हैं, 12 मरीज गंभीर

मामले में अस्पताल के संचालक डॉ. अनूप हजेला का कहना है कि मरीज की रेपिट टेस्ट रिपोर्ट में डेंगू पाजिटिव आया था। इसके बाद मरीज का इलाज एमडी मेडिसिन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट समेत चार डाक्टरों की टीम द्वारा किया गया। प्लेटलेट्स आठ हजार तक पहुंच गई थी, जिसके कारण मल्टी आर्गन (किडनी, लिवर और हार्ट) फेलियर हुआ। मरीज क्रिटिकल था, स्वजन ने पहले मरीज को बंसल और बीएमएचआरसी में शिफ्ट करने की बात कही थी, जिसे बाद में खुद से ही कैंसिल कर दिया। यह सभी लिखित में दर्ज हैं। वर्तमान में यहां डेंगू के 25 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 12 गंभीर हैं। इनकी प्लेटलेट्स 25 हजार से नीचे हैं। सबका इलाज चल रह है। डा. हजेला ने बताया कि डेंगू के अलग से विशेषज्ञ नहीं होते। ऐसे मरीजों का कई डॉक्टर मिलकर इलाज करते हैं। इसके लिए अस्पताल में एक स्पेशल टीम है।

जब तक एलाइजा रिपोर्ट नहीं आती, तब तक डेंगू पाजिटिव नहीं

भोपाल सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी का कहना है कि जब तक एलाइजा रिपोर्ट नहीं आती, तब तक डेंगू पाजिटिव नहीं माना जा सकता है। मरीज की एलाइजा रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिस रिपोर्ट में एनएस-1 रिएक्टिव आया, उसके आधार पर डेंगू पॉजिटिव माना जा रहा है।

दिवाली के बाद भोपाल की जहरीली हुई हवा, 300 पार पहुंचा AQI, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 400 पर रहा AQI

भोपाल, यशभारत। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली में जम के हुई पटाखे बाजी के बाद प्रदेश शहरों की आबो हवा खराब हो गई है। कई बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर करीब तीन गुना तक बढ़ गया है। ग्वालियर के डीडीनगर में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 408 दर्ज किया गया। भोपाल 314, जबलपुर 315 रतलाम 370 उज्जैन 322 और देवास में 316 AQI दर्ज किया गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर ही है। जबकि इंदौर के ग्वाल टोली में यह 399 रहा एमपीपीसीबी के अनुसार,भोपाल में पर्टिकुलेट मैटर 2.5 यानी धूल के बारीक कण से सबसे अधिक प्रदूषण हो रहा है। भोपाल शहर के AQI की बात करें तो पर्यावरण परिसर में मौजूद लाइव मॉनिटरिंग सिस्टम पर गुरुवार को 284 AQI था। सुबह टीटी नगर का AQI 238 दर्ज किया गया। देर रात तक यह 314 पर पहुंच गया। हालांकि, कई शहरों में एयर फ्लो की वजह से आतिशबाजी के बावजूद AQI कम हुआ है। एयर फ्लो से मतलब यह है कि तेज हवा चलने या हवा का दबाव ज्यादा होने के चलते प्रदूषण कम हो जाता है।

कुल मौतों में 18 प्रतिशत केवल वायु प्रदूषण कारण

मध्यप्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (एमपीपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार, शहरभर में पर्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 यानी धूल के बारीक कण से सबसे अधिक प्रदूषण हो रहा है। सभी जगहों पर जो AQI ब<1 रहा है, इसका मुख्य मुख्य कारण पीएम 2.5 ही है। हवा में मौजूद हानिकारक तत्व जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और छोटे-छोटे कण (पर्टिकुलेट मैटर) स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। पहली बार एडवाइजरी में विभाग ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक रिपोर्ट का जिक्र किया है, जिसमें भारत में होने वाली कुल मौतों का 18 प्रतिशत केवल वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण है।

69 साल का हुआ मध्य प्रदेश, सीएम मोहन यादन ने किया MP टूरिज्म का नया TVC 'मोह लिया रे' लॉन्च

भोपाल, यशभारत। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मप्र के 69वें स्थापना दिवस के खास अवसर पर एमपी टूरिज्म द्वारा निर्मित नवीन टीवी कमर्शियल (टीवीसी) मोह लिया रे को लॉन्च किया।मध्य प्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहरों और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को नए रंग-रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से टीवीसी का निर्माण करवाया है। प्रख्यात अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपनी अदाकारी से इसे जीवंत बनाया है। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश विश्व में अपने मनोहारी स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। हमारा प्रयास हमेशा रहा है कि राज्य के आकर्षक पर्यटन स्थलों को न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक नई पहचान दिलाई जाए। नवीन टीवीसी मोह लिया रे अत्यंत रोचक, रंगीन और जीवंत है। यह पर्यटकों को प्रदेश की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मोह लिया रे- एक नया नजरिया

मोह लिया रे टीवीसी में उज्जैन, ओरछा, ग्वालियर, खजुराहो सहित मध्य प्रदेश के अद्वितीय प्राकृतिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और समृद्ध वन्य जीवन को दिखाया गया है। यह पर्यटकों के मन को मोहते हुए उन्हें मध्य प्रदेश आने के लिए आमंत्रित कर रहे है। गीतकार इरशाद कामिल के खूबसूरत बोलों को अभिषेक अरोड़ा के संगीत ने संगीतमय अभिव्यक्ति दी है। इस विशेष टीवीसी में मशहूर गायक दिव्य कुमार ने अपनी आवाज दी है। इस टीवीसी के जरिए एक बार फिर दर्शकों को यह संदेश दिया जा रहा है कि मध्य प्रदेश ने मोह लिया है।

निर्मला सप्रे की सदस्यता पर निर्णय के लिए विधानसभा अध्यक्ष से बात करेगी कांग्रेस

भोपाल यशभारत। सागर जिले के बीना विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर निर्णय करने के लिए कांग्रेस विधायक दल विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से बात करेगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनकी सदस्यता समाप्त करने के लिए प्रमाण सहित आवेदन दिया है लेकिन उस पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है। उधर, सप्रे लगातार भाजपा की बैठकों में भाग ने रही हैं। वर्ष 2023 में कांग्रेस के टिकट पर निर्मला सप्रे बीना विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। लोकसभा चुनाव के समय वे भाजपा के संपर्क में आई और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंच भी साझा किया। उन्होंने क्षेत्र के विकास का हवाला देते हुए पार्टी प्रत्याशी के स्थान पर भाजपा के लिए काम किया। भाजपा में शामिल होने की बात भी कही। इसे लेकर कांग्रेस ने उनसे दूरी बना ली। विधायक दल की बैठक में नहीं बुलाया और सदन में अपने साथ नहीं बैठाने का निर्णय लेकर विधानसभा सचिवालय को सूचित भी कर दिया था। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनकी और रामनिवास रावत के विरुद्ध दलबदल कानून के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए सदस्यता समाप्त करने का आवेदन दिया।

दलबदल नहीं किया है

इस पर कार्रवाई से पूर्व रावत ने विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया, परंतु सप्रे ने ऐसा नहीं किया। विधानसभा सचिवालय ने उन्हें नोटिस जारी कर दलीय स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा। इस पर पहले तो उन्होंने जवाब देने का समय मांग लिया और फिर दूसरे नोटिस के जवाब में आरोपों को नकारते हुए कहा कि उन्होंने दलबदल नहीं किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष को निर्णय लेना है, जो अभी तक नहीं हुआ है।

भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में नजर आई थी सप्रे

उधर, सप्रे पिछले सप्ताह प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लेने पहुंचीं। मीडिया ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा, पर वे टाल गईं। अब कांग्रेस विधायक दल सप्रे की पार्टी विरोधी गतिविधियों के प्रमाण सबके सामने होने को आधार बनाकर दलबदल संबंधी आवेदन पर शीघ्र निर्णय करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से मिलेगा।

अब हाइड्रोजन से चलेंगे वाहन, डीजल इंजन में 20 प्रतिशत उपयोग सुरक्षित, मैनिट के शोध में हुई पुष्टि

भोपाल। भोपाल में स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में एनर्जी सेंटर के तीन प्रोफेसर और एक पीचएचडी छात्र ने भी ईंधन के रूप में हाइड्रोजन गैस के उपयोग को लेकर एक वर्ष तक शोध किया।शोध में उन्होंने पाया कि डीजल इंजन में 80 प्रतिशत डीजल के साथ 20 प्रतिशत हाइड्रोजन गैस का उपयोग किया जा सकता है। उनके अनुसार अगले पांच वर्षों में वाहनों में हाइड्रोजन का उपयोग शुरू हो जाएगा, जो वाहन चालकों के लिए सुरक्षित रहेगा। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल होगा और इंजन को अधिक ऊर्जा भी प्रदान करेगा। मैनिट में स्थापित एनर्जी सेंटर ने सितंबर 2023 में 25 लाख रुपये की लागत से हाइड्रोजन ईंधन के उपयोग को लेकर प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसमें विभिन्न विभागों के प्रोफेसर डॉ. प्रशांत बारेदार, डॉ. गौरव द्विवेदी, डॉ. टिकेंद्रनाथ वर्मा और पीएचडी छात्र कौस्तुभ ने ड्युअल फ्यूल इंजन में हाइड्रोजन गैस के ईंधन के रूप में उपयोग को लेकर शोध किया।

धीरे-धीरे बढ़ाई मात्रा

डॉ. गौरव द्विवेदी ने बताया कि शुरुआत के चार महीने हमने सिर्फ डीजल के साथ हाइड्रोजन गैस की अलग-अलग मात्रा को ईंधन के रूप में जांचा। शुरुआत पांच प्रतिशत से की, इसके बाद मात्रा बढ़ाते हुए 20 प्रतिशत तक लेकर गए। आगे जब ईंधन में हाइड्रोजन की मात्रा बढ़ी तो हीटिंग की समस्या होने की आशंका हुई, जिसके बाद इंजन में 20 प्रतिशत ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का आठ माह तक उपयोग किया। चूंकि हाइड्रोजन का एनर्जी कंटेंट पेट्रोकैमिकल्स से अधिक है, इसलिए इंजन को अतिरिक्त ऊर्जा मिली और संतुलित उपयोग से इंजन में गर्मी की समस्या भी नहीं हुई। इनका शोध एक रिसर्च जर्नल में भी प्रकाशन हो चुका है।

इस तरह से इंजन में काम करता है हाइड्रोजन

पीएचडी स्कॉलर कौस्तुभ ने बताया कि ड्युअल फ्यूल इंजन में डीजल टैंक के साथ हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाया जाता है। इंजन में दोनों की सप्लाई की जाती है। इंजन को डीजल सप्लाई से चालू किया जाता है और इंजन गर्म होने पर हाइड्रोजन की सप्लाई शुरू की जाती है। इसका कितनी मात्रा में उपयोग करना है, इसे सप्लाई को रोककर कंट्रोल किया जाता है। इंजन में जिस रास्ते से एयर प्रेशर किया जाता है, उसी जगह से हाइड्रोजन की सप्लाई की जाती है।

नर्मदापुरम रोड पर चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचे लोग

भोपाल, यशभारत। शहर के नर्मदापुरम रोड पर शुक्रवार शाम एक चलती सीएनजी कार में आग लग गई। आशिमा माल के पास हुई इस घटना में यह गनीमत रही कि समय रहते कार में सवार लोग समय रहते गाड़ी को साइड में खड़ा कर नीचे उतर गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि इस हादसे में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

यह है घटनाक्रम

जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम तकरीबन सात बजे एक कार नर्मदापुरम रोड से गुजर रही थी। अभी वह आशिमा माल के सामने पहुंची थी कि उसमें आग की लपटे निकलने लगी। यह देख चालक ने तुरंत कार को सड़क किनारे ले जाकर खड़ा कर दिया और वह अपने साथियों के साथ उतरकर दूर चला गया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज होने लगीं और पूरी कार आग का गोला बन गई। सूचना मिलने पर कोलार फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया। दमकलकर्मियों ने जब तक आग पर काबू पाया, तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। कार में आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

कैश पर लगा बैन! पेट्रोल पंप से लेकर LPG गैस के लिए अब होगी ऑनलाइन पेमेंट

एमपी पुलिस का बड़ा ऐलान

भोपाल, यशभारत। रोजमर्रा की चीजों के लिए आज भी ज्यादातर लोग कैश का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि अगले साल की शुरुआत के साथ मध्य प्रदेश में यह नियम बदलने वाले हैं। जी हां, एमपी पुलिस ने एक नया आदेश जारी किया है। इसके अनुसार पेट्रोल पंप से लेकर LPG गैस सिलेंडर खरीदने और पुलिस कैंटीन में नगद का लेन-पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

नए साल से लागू होंगे नियम

सूत्रों के हवाले से पता चला है कि मध्य प्रदेश पुलिस ने पेट्रोल पंप, गैस रिफिलिंग स्टेशन, सुपर मार्केट जैसी जगहों पर नगद लेन-देन बंद करने का ऐलान किया है। यह नए नियम 1 जनवरी 2025 से पूरे प्रदेश में लागू किए जाएंगे। एमपी पुलिस ने घपले और घोटालों को कंट्रोल में रखने के लिए यह फैसला सुनाया है।

PHQ ने जारी किए आदेश

कैश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश भोपाल पुलि हेडक्वाटर (PHQ) ने जारी किया है। हालांकि यह नियम सिर्फ पुलिस के अशासकीय संस्थानों पर लागू होंगे। यानी आम आदमी पर इन बदलावों का असर नहीं पड़ेगा। हालांकि पुलिस वालों को सख्ती के साथ इसका पालन करना होगा।

कहां-कहां लागू होंगे नियम?

सूत्रों के अनुसार PHQ ने गबन होने के बाद यह फैसला लिया है। 1 जनवरी 2025 से मध्य प्रदेश के सभी पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप, LPG गैस, पुलिस गैस रिफिलिंग केंद्र, सुपर मार्केट और पुलिस परिसरों की साफ-सफाई व्यवस्था के लिए नगद लेन-देन पूरी तरह से बंद हो जाएगा। इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए पुलिस कर्मियों को ऑनलाइन भुगतान करना होगा। इससे घोटाले के आसार नहीं रहेंगे।

पश्चिम मध्य रेल
ई–निविदा सूचना
विद्युत विभाग(कर्षण–वितरण शाखा), जबलपुर एन.आई.टी. नं. जबल–टीआरडी–निविदा–2024–28, दिनांक: 30.10.2024
वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण–वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करते हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों) आई.ई.नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए। **कार्य का नाम:** जबलपुर मंडल के 10 स्टेशनों (जीएमडी, बीकेएच, जीएआर, बीएनई, केवाई, केकेबी, बीआरजीटी, एसएजीएए, एमकेडी और बीक्यूएफ) के सीएसएल/ सीएसआर में वृद्धि।, **कार्य स्थल:** जबलपुर मण्डल।, **कार्य की अवधि:** 12 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू):** रुपये 4,20,16,639.14/–(रुपये चार करोड़ बीस लाख सोलह हजार छह सौ उनतालीस और चौदह पैसे मात्र), **बयाना राशि:** रू. 3,60,100.00/–, **निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** 29.11.2024 15:00 बजे/29.11.2024 15:30 बजे, **निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेवसाईट:** https://www.ireps.gov.in. निविदाकर्ता अपनी निविदाऐं आई आर ई पी एस की माध्यम से https://www.ireps. gov.in पर ऑन लाइन निविदा करें। निविदाकताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हे तु IREPS की व्यवसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मान दण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वांइन्ट वेन्चर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।
वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण–वितरण, पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कमलापति-रीवा स्पेशल ट्रेनों का संचालन 9 नवम्बर तक,छठ तक पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन रहेगा जारी

भोपाल, यशभारत। दीपावली और छठ पर भोपाल मंडल से यात्रियों की सुविधा को देखते हुए कई स्पेशल ट्रेने चलाई जा रही है। रीवा-रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति की संचालन 9 नवंबर तक जारी रहेगा। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे में 7,296 विशेष गाड़ियां चलाई जा रही हैं।यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने इस त्यौहारी सीजन में विशेष प्रबंध किए हैं। ट्रेनों में प्रवेश की व्यवस्था देखने भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान तैनात किए हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर भी त्यौहारों के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु स्पेशल ट्रेन चल रही है। इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच है। जिसमें रीवा-रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति, जबलपर-दानापुर-जबलपुर, कोटा-दानापुर-कोटा एवं कटनी साउथ-चोपन-कटनी साउथ सहित पाँच स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है।

रीवा-रानी कमलापति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

गा?ी संख्या 02190 सासाहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 09 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12ः30 बजे रीवा से प्रस्थान कर और उसी दिन रात्रि 21ः15 बजे रानी कमलापति पहुंच रही है। इसी

प्रकार गा?ी संख्या 02189 सासाहिक स्पेशल ट्रेन आगामी 9 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार को रात्रि 22ः15 बजे रानी कमलापति से रवाना होकर और अगले दिन सुबह 07ः20 बजे रीवा पहुंच रही है। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में सतना, मैहर, कटनी मु?वारा, दमोह, सागर, बीना एवं विदिशा पर ठहराव देकर गंतब्य को जा रही है।

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 01661 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 12 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को दोपहर 14.25 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 08.45 बजे दानापुर पहुंच रही है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01662 एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आगामी 13 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को सुबह 11.45 बजे दानापुर से रवाना हो कर और अगले दिन सुबह 07.40 बजे रानी कमलापति पहुंच रही है। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा पर ठहराव देकर गंतब्य को जा रही है।

कोटा-दानापुर-कोटा स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 09803 कोटा-दानापुर स्पेशल ट्रेन आगामी 10 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को कोटा से रात 21ः25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात में 20ः00 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09804 दानापुर-कोटा स्पेशल ट्रेन आगामी 11 नवम्बर 2024 तक प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को दानापुर से रात 21ः30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात में 22ः25 बजे कोटा पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में बारां, सालपुरा, छाब?ा गुगोर, रूठियाई, गुना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

कटनी साउथ-चोपन-कटनी साउथ स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 09015 कटनी साउथ-चोपन स्पेशल प्रतिदिन आगामी 15 नंबवर 2024 तक कटनी साउथ से प्रातः 05ः00 बजे रवाना होकर, दोपहर 13ः50 बजे चोपन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09016 चोपन-कटनी साउथ स्पेशल प्रतिदिन आगामी 15 नंवबर 2024 तक चोपन से दोपहर 15ः30 बजे रवाना होकर, अगले दिन मध्यरात्रि 00ः40 बजे कटनी साउथ पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन रास्ते में खन्नाबंजारी, महरोई, विजसोता, ब्यौहारी, जोबा, मढ़वासग्राम, निवासरोड, सराईग्राम, गजराबहरा, बरगवां, सिंगरौली एवं ओबरा डैम स्टेशनों पर रुकेगी।

बेचना है
गुरु कुंज परिसर कछपुरा ब्रिज जबलपुर में 25 50 1250 इसक्याफिट कार्नर प्लाट बेचना है।
संपर्क करें. मोबाइल 9302684629